डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www awajdarpan.com पर पढ़ें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक ४१ रविवार २९ सितम्बर से ०५ अक्टूबर २०२४ मूल्य तीन-रुपये

भाजपा नेता राना नागेश सिंह समेत चार के विरूद्ध अपहरण, हत्या, शव छिपाने का मुकदमा दर्ज

संवाददाता–बस्ती । नगर थाने की पुलिस ने पूर्व विधायक राना कृष्ण किंकर सिंह के बेटे और भाजपा नेता राना नागेश सिंह समेत चार लोगों के खिलाफ अपहरण, हत्या और शव छिपाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिस युवक शक्ति सिंह की हत्या हुई, वह अयोध्या में विवादित ढांचा गिराने में आरोपी और लक्ष्मण सेना के अध्यक्ष रहे रमेश सिंह का बेटा था।

एसओ नगर देवेंद्र सिंह ने बताया कि राना नागेश सिंह, रवि सिंह, शैलेश सिंह निवासी रानीपुर थाना नगर के अलावा दीपक शुक्ला के खिलाफ तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। दुबौलिया थानाक्षेत्र के गौरा–सैफाबाद तटबंध पर बोरे में एक युवक का शव गुरुवार को मिला था। युवक के सिर पर गम्भीर चोट के निशान मिले हैं। जिसके आधार पर हत्या कर शव को यहां लाकर ठिकाने लगाए जाने की भी आशंका जताई गई थी। देर शाम नगर थाने की मदद से शव की शिनाख्त शक्ति सिंह (32) निवासी रानीपुर थाना नगर के रूप में की गई। थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रकरण में गुरुवार को ही मृतक के छोटे भाई विक्रम प्रताप सिंह ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। नगर थाने में दिए तहरीर में विक्रम प्रताप सिंह ने बताया है कि गांव के ही नागेश सिंह के परिवार से काफी दिनों से दुश्मनी चल रही थी। आरोप है कि 24 सितंबर की शाम छह बजे गांव के ही ऋषिकेश सिंह के दाह–संस्कार में उनके बड़े भाई शक्ति सिंह गांव के रवि सिंह, शैलेश सिंह के साथ गए थे। दाह–संस्कार शहर कोतवाली के मूड़घाट पर हो रहा था, मैं भी वहां गया था। आते समय हमनें भाई शक्ति से कहा कि घर चलो, तो वह बोला कि जिसके साथ आए थे, उनके साथ ही जाएंगे। उसी दिन के बाद से शक्ति सिंह का कुछ पता नहीं चल रहा था। गुरुवार को शक्ति का शव मिलने के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थे। देर रात पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चोरों की दहशत : 'जागते रहो' के साथ पहरा दे रहे ग्रामीण

संवाददाता–बस्ती। हरैया विकासखंड के समौड़ी गांव में ग्रामीण पिछले 23 दिनों से लगातार रात में पहरा दे रहे हैं। जिसका मुख्य कारण 1 सितंबर की रात को उक्त गांव और बगल के मरवट गांव में हुई तीन चोरियां हैं। जिसका आज तक पर्दाफाश भी नहीं हो सका है।

ग्रामीणों ने शुक्रवार को बताया कि एक सितंबर की रात को गांव में और बगल के गांव में चोरी हुई तो सुरक्षा के दृष्टिगत हम लोगों ने खुद गांव में पहरा देने और गश्त करने का निर्णय लिया। इस निर्णय के उपरांत 4 सितंबर की रात से लेकर आज तक लगातार 23 दिन से पहरा देने का कार्य जारी है। ग्रामीणों ने बताया की चोरियों का पर्दाफाश ना होने से हम सभी स्वयं गांव की सुरक्षा करने के लिए विवश है। गांव के रामसुमति मिश्र, राधामोहन मिश्र, लालजी मिश्र, पहलवान मिश्र, पटवारी मिश्र, गुड्डू मिश्र, विजय मिश्र, रवीश मिश्र, वेद मिश्र, सचिन मिश्र, गोपाल, शिवा, प्रशान्त आदि टीम बनाकर पहरा देने और गांव में घूम कर गश्त करने का कार्य कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि चोरी की घटना के बाद पुलिस की सक्रियता बढ़ी है और रात में बैरियर लगाकर संदिग्धों की जांच की जा रही है लेकिन चोरियों का पर्दाफाश न होने से अभी भी डर का माहौल कायम है। दूरदराज के जिलों और अन्य प्रदेशों से आकर गांव–गांव फेरी लगाकर सामान बेचने वाले लोगों पर नजर बनाए रखने की जरूरत है पुलिस को भी चाहिए कि ऐसे लोगों पर पूरी नजर बनाए रखे क्योंकि अनजान लोगों के द्वारा कभी भी क्षेत्र में चोरी जैसी अप्रिय घटना हो सकती हैं।

दुर्गा पूजा, दशहरा को शांतिपूर्ण मनाने के लिये तैयारियों में जुटा प्रशासनः डीएम ने दिया विद्युत आपूर्ति, सफाई व्यवस्था का निर्देश

संवाददाता–बस्ती । आगामी दुर्गा पूजा, दशहरा त्योहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने सभी लोगों से मिलजुल कर भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की परंपरा को कायम रखने के लिए अपील किया। उन्होंने सभी नागरिकों को त्योहार की बधाई देते हुए सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की भी अपील किया।

उन्होंने स्वच्छता के संबंध में कहा कि साफ–सफाई हम सब की जिम्मेदारी है। बिजली की निर्बाध आपूर्ति, ढीले तारों को टाइट तथा लोकल फाल्ट तत्काल ठीक करने के लिए उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित किया है। प्रतिमा विसर्जन के लिए ले जाने वाले रास्तों का सुदृढीकरण व समतलीकरण के लिए उन्होने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा विसर्जन के लिए पिछले वर्षो की भांति सभी घाट पर आवश्यक व्यवस्था की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण गोपाल चौधरी ने निर्देश दिया कि सभी दुर्गा पूजा पंडाल में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। उन्होने कहा कि प्रत्येक पंडाल में सुरक्षा के लिए वॉलिटियर रात में भी तैनात किए जाएं। उन्होंने अपील किया कि अफवाहों पर ध्यान ना दें तथा किसी प्रकार की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि शासन से निर्देश प्राप्त हुआ है कि पांडाल तथा डीजे मानक के अनुसार ही संचालित किया जाय। रात्रि 10 बजे तक ही डीजे बजाया जाय।

एडीएम प्रतिपाल चौहान ने कहा कि पांडाल व विसर्जन मार्ग का समय से सत्यापन करा लिया जाय। सभी थानाध्यक्ष थानों पर संभ्रांत नागरिको के साथ बैठक कर लें और बैठक में उप जिलाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। बैठक के दौरान समस्याए सामने आती है, तो उसका समय से निराकरण करें।

बैठक का संचालन करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि मानकविहीन आवाज पाई जाती है तो डीजे संचालक के साथ–साथ दुर्गा मूर्ति आयोजन समिति के विरुद्ध भी एफआईआर कराई जाएगी। उन्होने बताया कि दुर्गा प्रतिमा स्थापना सुरक्षित स्थान पर करें ताकि ट्रैफिक बाधित न हो, आरती एवं पूजन के दौरान मुकम्मल सुरक्षा रखें ताकि आग लगने का खतरा न हो। इसके लिए प्रत्येक पंडाल में पानी एवं बालू की पर्याप्त व्यवस्था रखें। सड़क पर गड्ढा ना करें।

बैठक में सरदार जगबीर सिंह, स्कन्द शुक्ला सहित अन्य संभ्रांत नागरिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में सीडीओ जयदेव सीएस, सीएमओ डॉ. आर.एस. दुबे, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक, आशुतोष तिवारी, अधिशासी अभियंता विद्युत मनोज कुमार, डीपीआरओ रतन कुमार, समस्त क्षेत्राधिकारी पुलिस, थाना अध्यक्ष तथा समिति के सदस्य/नागरिक गण उपस्थित रहे।

बारिश से खिले किसानों के चेहरे

संवाददाता–बस्ती। गुरुवार से हो रही बारिश से ऐसा लग रहा, जैसे एक बार फिर बरसात का मौसम लौट आया है। शुक्रवार सुबह से ही हल्की बूंदा बांदी शुरू हो गई थी। आसमान में छाए बादलों से मौसम भी काफी सुहावना रहा। सेबरे से ही बारिश ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी थी। कभी बारिश तेज हो जाती है तो कभी धीमी हो जाती है। बारिश के कारण जनजीवन भी प्रभावित नजर आ रहा है। सूखते धानों को पानी मिल जाने से किसान खुश है।

जबकि दूसरी ओर गलियों व मोहल्लों में पानी जमा हो गया है। शहर की मुख्य सड़क पर लोग अन्य दिनों की अपेक्षा कम नजर आये । सुबह से हो रही बारिश के कारण अधिकांश स्कूल बंद हो गए। देर तक शहर की ज्यादातर दुकानें नहीं खुली थी। लम्बे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश किसी वरदान से कम नहीं है। किसान इस बारिश से काफी खुश है। इस समय जबकि धान की फसल फूटने को है, ऐसे में यह बारिश फसल के लिए सोने के समान है।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।

– *बालसोम गौतम*

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62   **R.N.I.** 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

नकली दवायें

यह खबर परेशान करने वाली है कि बुखार, दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि से मुक्ति दिलाने का दावा करने वाली 53 दवाइयां जांच में गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। देश में धड़ल्ले से इस्तेमाल होने वाली पैरासिटामोल भी इन दवाओं में शुमार है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। केंद्रीय औषधि नियामक ने गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी की है। आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध–अनुसंधान की जरूरत है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से गुरेज करती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। विडंबना देखिए कि लोगों द्वारा आमतौर पर ली जाने वाली पैरासिटामोल भी जांच में फेल पायी गई। आम धारणा रही है कि गाहे–बगाहे होने वाले बुखार–दर्द आदि में इस दवा का लेना फायदेमंद होता है। निश्चय ही केंद्रीय औषधि नियामक की गुणवत्तारहित दवाओं की सूची में इसके शामिल होने से लोगों के इस विश्वास को ठेस पहुंचेगी। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये दुखी मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं।

व्यथित करने वाली बात है कि सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन यानी सीडीएससीओ ने हालिया मासिक रिपोर्ट में जिन गुणवत्ता रहित दवाओं का उल्लेख किया है, उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। जिन्हें बड़ी कंपनियों के नाम से बेचा जा रहा है। इससे उन मरीजों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ जाएंगी जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन–डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन–सी, एंटी–एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। बताते हैं कि फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। यद्यपि सीडीएससीओ ने 53 दवाओं की गुणवत्ता की जांच की थी,लेकिन 48 दवाओं की सूची ही अंतिम रूप से जारी की गई। वजह यह बतायी जा रही है कि सूची में शामिल पांच दवाइयां बनाने वाली कंपनियों के दावे के मुताबिक, ये दवाइयों उनकी कंपनी की नहीं हैं वरन बाजार में उनके उत्पाद के नाम से नकली दवाइयां बेची जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए।

तीर्थस्थल की हिन्दू वंशावलियों की पंजिका का हो संरक्षण

– अशोक मधुप–

हिंदू तीर्थस्थल धार्मिक मान्यताओं और पूजन अर्चन के लिए विख्यात है। इन सब कार्य को इन स्थलों के ब्राह्मण पंडित कराते हैं। ये ब्राह्मण पंडित पंडा कहे जाते हैं। ये पंडा सदियों से एक कार्य करते और कराते आ रहे हैं। ये पंडा अपने पास आने वाले यजमान (भक्तों) के परिवार का इतिहास अपनी बहियों में संजोते जा रहें हैं। ये काम सदियों से अनवरत रूप से जारी है। ये हिन्दू वंशावलियों की पंजिकाएं ऐतिहासिक धरोहर हैं। आज इनके संरक्षण की आवश्यक्ता है। इनके संजोकर रखने की जरूरत है।

हिंदू परिवारों को इस बारे में बहुत कम या न के बराबर जानकारी है। उन्हें पता भी नही कि इन स्थानों पर उनके परिवार का इतिहास संग्रहित है। सदियों से बहियों में ये रिकार्ड व्यापारी के खाते की तरह लिखकर रखा जा रहा है। अधिकतर भारतीयों व वे परिवार जो विदेश में बस गए उनको आज भी पता नहीं कि इन तीर्थस्थल की पंडो की बहियों में उनके परिवार की वंशावली दर्ज है। हिन्दू परिवारों की पिछली कई पीढ़ियों की विस्तृत वंशावलियां इन पंडा के पास संग्रहित हैं। ये पंडा आने वाले यजमान से उसके परिवार की जानकारी नोट करने के बाद उसके हस्ताक्षर कराकर बही में अपने पास रखते हैं। ये पंडा ये बहियां अपनी आने वाली अपनी पीढ़ी को सौंपते जाते हैं। ये बहियां जिलों व गांवों के आधार पर वर्गीकृत की गयीं हैं। प्रत्येक जिले की पंजिका का विशिष्ट पंडित होता है। यहाँ तक कि भारत के विभाजन के उपरांत जो जिले व गाँव पाकिस्तान में रह गए व हिन्दू भारत आ गए उनकी भी वंशावलियां यहाँ हैं। कई स्थितियों में उन हिन्दुओं के वंशज अब सिख हैं, तो कई के मुस्लिम अपितु ईसाई भी हैं। किसी.किसी की सात वंश या उससे भी ज्यादा की जानकारी पंडों के पास रखी इन वंशावली पंजिकाओं से होना साधारण सी बात है।

शताब्दियों पूर्व से हिन्दू पूर्वजों ने हरिद्वार या किसी पावन नगरी की यात्रा कीध तीर्थयात्रा के लिए याध शव–दाह या स्वजनों के अस्थि व राख का गंगा जल में किया होगा तो वे संबद्ध पंडा के पास गए होंगे। ये पंडा इन आने वालों के रहने खाने तक की व्यवस्था करते हैं। इन पंडाओं ने अपनी पंजिका में वंश–वृक्ष को संयुक्त परिवारों में हुए सभी विवाहों, जन्म व मृत्युओं के विवरण दर्ज किया हुआ है। वर्तमान में धार्मिक स्थल पर जाने वाले भारतीय हक्के–बक्के रह जाते हैं जब वहां के पंडित उनसे उनके अपने वंश–वृक्ष को नवीनीकृत कराने को कहते हैं।

आजकल जब संयुक्त हिंदू परिवार का चलन खध्त्म हो गया है। लोग एकल परिवारों को तरजीह दे रहे हैं, ये पंडित चाहते हैं कि आगंतुक अपने फैले परिवारों के लोगों व अपने पुराने जिलों– गाँवों, दादा– दादी के नाम व परदादा–परदादी और विवाहों, जन्मों और मृत्यु, परिवारों में हुए विवाह आदि की पूरी जानकारी के साथ वहां आएं। आगंतुक परिवार के सदस्य को सभी जानकारी नवीनीकृत करने के उपरांत वंशावली पंजीका को भविष्य के पारिवारिक सदस्यों के लिए व प्रविष्टियों को प्रमाणित करने के लिए हस्ताक्षरित करना होता है। साथ आये मित्रों व अन्य पारिवारिक सदस्यों से भी साक्षी के तौर पर हस्ताक्षर करने की विनती की जा सकती है।

इन तीर्थ स्थल के पुरोहितों के पास देश और दुनिया भर के यजमानों का दशकों पुराना लिखित रिकॉर्ड वंशावली के रूप में मौजूद है। किसी यजमान के आने पर चंद मिनटों में ही संबंधित पुरोहित कंप्यूटर से भी तेज गति से वंशावली देखकर उनके पूर्वजों की जानकारी दे देते हैं। पितृ पक्ष के दौरान इन तीर्थ स्थल पर आने वाले लोग अपने तीर्थ पुरोहितों के पास आकर वंशावली में अपने वंश के बारे में जरूर जानते हैं। ये पडे जनपद के हिसाब से हैं। तीर्थ स्थल में पहने वालों को पता है कि किस जनपद के पंडा कौन हैं। किसी दूसरे के यजमान को कोई अन्य पंडा खुद क्रिया.कर्म नहीं कराता। संबंधित जिले के पंडा के पास उसे भेज देता है।

शताब्दियों से हो रहा ये लेखन भोज पत्रों और ताम्र पत्रों के बाद अब कागज की बहियों पर शुरू किया गया। तीर्थ पुरोहितों के पास सैकड़ों वर्ष पुरानी बहियां आज भी सुरक्षित हैं। तीर्थ पुरोहितों की बहियों में देश भर के राजाओं, महाराजाओं, साधु, संतों, राजनेताओं एवं आम लोगों के परिवारों के वंश लेखन बहियों में मौजूद हैं। अकेले हरिद्वार में 30 हजार से अधिक की संख्या में वंशावली की बहियां सुरक्षित और संरक्षित हैं। इन बहियों में लेखन करने के लिए अलग स्याही तैयार करके तीर्थ पुरोहित वही लेखन करते हैं, जो काफी वर्षों तक सुरक्षित रहती है। इन वंशावलियों में जातियों, गोत्रों, उपगोत्रों का भी जिक्र रहता है। सबसे अहम बात इन बहियों में देखने को मिलती है कि तीर्थ पुरोहितों ने लेखन को भेदभाव से दूर रखा है। जहां राजाओं, महाराजाओं की वंशावलियां जिस क्रम में अंकित हैं, उसी क्रम में तीर्थ नगरी में पहुंचने वाले अन्य श्रद्धालुओं की हैं। विभिन्न राजवंशों की मुद्राएं, हस्त लेखन, दान पत्र, अंगूठे और पंजों के निशान बहियों में मौजूद हैं। यहां की वंशावलियों में देश की कई रियासतों के राजाओं के आने के उल्लेख दर्ज हैं।

अक्तूबर 2007 में हमें इंडियन वर्किंग जर्नलिस्ट की एक कांफ्रेंस में बद्रीनाथ जाने का अवसर मिला। मेरे साथ गए मेरे दोस्त नरेंद्र मारवाड़ी भी थे। हम मारवाड़ी के साथ बद्रीनाथ में, अजमेर के महावर वालों की धर्मशाला में चले गए। ये मारवाड़ी के परिवारवालों की धर्मशाला हैं। वहां पंडित जी से बात की। वंशानुक्रम के बारे में बताया। बात करते–करते पंडित जी ने अपनी बही खोलकर उनके गोत्र का विवरण खोला तो पता चला कि मारवाड़ी के पिता जी 41 वर्ष पूर्व यहां यात्रा को आए थे। यात्रा को आने के बाद हुए उनके दो बच्चों का विवरण दर्ज नहीं थे। पंडित जी ने बही देखकर बताया कि 93 साल पूर्व उनके दादा जी बद्रीनाथ आए थे। दोनों के आने की तिथि तक वही में दर्ज थी। उनके हस्ताक्षर भी बही में मौजूद थे। मित्र को अपने बाबा का नाम ज्ञात था। यहां बही से उन्होंने अपने बाबा के पिता उनके भाई, बाबा के दादा और उनके भाइयों आदि का विवरण नोट किया। पंडित जी ने अपनी वही में मित्र से अपने और उनके बच्चे, भाई और भाइयों के बच्चों की जानकारी नोट की।

नीचे तारीख, माह, सन डालकर हस्ताक्षर कराए।सदियों से चले आ रहा इतिहास को संजोकर रखना एक दुरूह कार्य है। इस कार्य को ये पंडे सुगमता से पीढ़ियों से करते चले आ रहे हैं। आज इस इतिहास को संजोने और संरक्षण की जरूरत है। अच्छा रहे कि इनका कंप्यूटरीकरण हो जाए। बहियों को लैमिनेट करके भी संरक्षित किया जा सकता है। कैसे भी हो, ये होना चाहिए, नहीं तो समय के साथ ये गलता और खराब होता चला जाएगा।। ये काम इनके व्यक्तिगत स्तर से संभव नहीं। सरकार को अपने स्तर से कराना होगा, तभी ये संभव हो पाएगा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एम. सिद्धारमैया पर मुकदमा

बेगलूर (आभा)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एम. सिद्धारमैया के खिलाफ मैसुरु लोकायुक्त ने एफआईआर दर्ज कर ली है। उनके खिलाफ मैसुरु अर्बन डिवेलपमेंट अथॉरिटी के प्लॉट्स के आवंटन में घोटालों के आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई है। अदालत की ओर से सिद्धारमैया के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश लोकायुक्त को दिया गया था। इसके बाद ही यह ऐक्शन लिया गया है। यह एफआईआर मैसुरु के लोकायुक्त एसपी उदेश के नेतृत्व में दर्ज की गई है। वहीं इसके लिए आदेश लोकायुक्त एडीजीपी मनीष खरबीकर की ओर से दिया गया था।

अदालत ने सिद्धारमैया के खिलाफ सीआरपीसी के सेक्शन 156(3) के तहत केस फाइल किया है। इसके अलावा आईपीसी की धाराओं 120ठ, 166, 403, 420, 426, 465, 468, 340, 351 के तहत भी सिद्धारमैया के खिलाफ केस फाइल हुआ है। अब इस केस की जांच लोकायुक्त पुलिस की ओर से की जाएगी। एफआईआर के आधार पर सिद्धारमैया को पूछताछ के लिए भी बुलाया जा सकता है। बता दें कि लोकायुक्त के पास गिरफ्तारी की भी शक्ति होती है। ऐसे में सिद्धारमैया की गिरफ्तारी की भी आशंका है। हालांकि उससे पहले ही अपने कानूनी जानकारों की सलाह पर सिद्धारमैया अग्रिम जमानत के लिए याचिका डाल सकते हैं।

शिकायतकर्ता आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की शिकायत पर कोर्ट ने सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था।

सहकारी गन्ना समितियों के डेलीगेट के लिए हुआः नामांकनः चुनाव तीन को

संवाददाता—बस्ती । सहकारी गन्ना समिति मुंडेरवा और टिनिच डेलीगेट चुनाव में बुधवार को पर्चे खरीदे और भरे गए। पर्चो की जांच व वापसी के बाद 30 सितम्बर को चुनाव चिह्न का आवंटन होगा। आवश्यकता पड़ने पर तीन अक्टूबर को चुनाव होगा। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड मुंडेरवा में चल रहे चुनाव के दौरान 618 गांव के 581 डेलीगेटों ने पर्चा भरा। अधिकांश डेलीगेट पद पर एक—एक पर्चे ही भरे गए हैं। यहां पर निर्विरोध चुनाव होगा। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड मुंडेरवा में चुनाव के प्रथम चरण में डेलीगेटों ने गुरुवार को पर्चा भरा।

डेलीगेट डायरेक्टर का चुनाव करेंगे। डायरेक्टर समिति अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया अध्यक्ष के चुनाव के साथ 17 अक्तूबर को समाप्त होगी। सचिव डॉ. रामफल सिंह ने बताया की डेलीगेट के पर्चे का परीक्षण किया जा रहा है। जहां दो प्रत्याशी होंगे वहां तीन अक्तूबर को चुनाव होगा।

सहकारी गन्ना विकास टिनिच के चुनाव में डेलीगेट की 102 सीट के लिए 124 पर्चे बिके। गुरुवार को निर्वाचन अधिकारी बीडीओ कुदरहा आलोक पंकज ने बताया की सामान्य निकाय के गठन की प्रक्रिया के तहत होने वाले चुनाव मे पर्चो की बिक्री व पर्चा दाखिला हुआ है। 102 पदों के सापेक्ष 120 पर्चे दाखिल हुए हैं। पर्चों की जांच व नाम वापसी के बाद 30 को चुनाव चिह्न का आवंटन होगा। मतदान होने पर मतगणना तीन अक्टूबर को होगी।

जागरूकता अभियान "4 की बात" संगोष्ठी में विमर्श

संवाददाता—बस्ती। नाको भारत सरकार एवं उ.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ के दिशा—निर्देशन में जिला एड्स नियंत्रण समिति एवं दिशा यूनिट बस्ती द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आर0के0 दुबे की अध्यक्षता में सघन जागरूकता अभियान "4 की बात" के अंतर्गत जनपद स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन प्रदुमन सिंह फार्मेसी कॉलेज, संसारपुर, फुटहिया बस्ती के सभागार में किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रमुख अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित एवं रिबन काटकर किया गया। प्रदुमन सिंह फार्मेसी कालेज के मोहन अहमद एवं केसव ने कार्यक्रम संचालन किया। कालेज के प्रधानाचार्य नीलेस गुप्ता एवं प्रदुमन सिंह कालेज ऑफ नर्सिंग के प्रधानाचार्या अजरा सिद्दकी ने एसआईसी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी का बुके देकर स्वागत किया गया।

इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि सघन जागरूकता अभियान आयोजित किये जाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं में आहार, पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य जीवन शैली के प्रेरित किया जाना है। उन्होने बताया कि युवा हमारा भविष्य है, भविष्य सुधारने हेतु युवाओं को आज सुधरने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमे रंगोली, पोस्टर मेकिंग एवं मॉडल प्रजेनटेशन प्रतियोगिता में विभिन्न छात्रों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता को शील्ड, मैडल एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया

क्लस्टर प्रोग्राम मैनेजर अखिलेश सिंह दिशा यूनिट, बस्ती ने बताया कि एचआईवी, एड्स के बारे में जानकारी का रोचक तरीके से प्रचार किये जाने के क्रम में महाविद्यालयों में "कदम समझदारी का वादा जिम्मेदारी का" की कड़ी में जागरूकता संगोष्ठी, सेमिनार का आयोजन कर अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही साथ युवाओं को एचआईवी, एड्स संक्रमण एवं बचाव के बारे में जानकारी दी गयी तथा अधिक जानकारी के लिए एचआईवी, एड्स टोल फ्री नं0 1097 के बारे में जानकारी दी गयी।

दिशा युनिट के सीएसओ सुभाष यदुवंशी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के माध्यम से संचालित आईसीटीसी, पीपीटीसीटी, एआरटी, ओएसटी, सुरक्षा क्लीनिक के साथ ही लिंक वर्कर स्कीम, लक्षित हस्तक्षेप परियोजना, सीएससी सहित अन्य इकाईयों ने अभियान को सफल बनाने में स्टॉल लगाते हुए प्रतिभागियों को एचआईवी के प्रति जागरूक किया। संगोष्ठी के दौरान बताया कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है। इससे बचाव के लिए लोगों को यूपीसैक की विभिन्न एजेंसियों द्वारा जागरूक किया जा रहा है।

प्रदुमन सिंह फार्मेसी कालेज के प्रधानाचार्य नीलेस गुप्ता एवं प्रदुमन सिंह कालेज ऑफ नर्सिंग के प्रधानाचार्या अजरा सिद्दकी, संसारपुर, फुटहिया बस्ती सहित अध्यापकगण ने संगोष्ठी को सफल बनाने में अहम भूमिका निभायी।

सघन जागरूकता अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी के दौरान आईसीटीसी, पीपीटीसीटी, एआरटी सेंटर, ओएसटी सेंटर, सम्पूर्ण सुरक्षा केंद्र, ग्रामीण विकास सेवा समिति, उम्मीद संस्था एवं सीएससी के प्रतिनिधिा ने 4 की बात को लेकर सभी को जागरूक करने हेतु उपस्थित लोगों से आवाहन किया।

युवा मण्डलों द्वारा चलाया जा रहा है स्वच्छता अभियान

संवाददाता—बस्ती। नेहरू युवा केन्द्र द्वारा 'माई भारत स्वच्छता ही सेवा अभियान' की कड़ी में जनपद के 14 विकास खण्डों के अनेक चयनित गांवों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह जानकारी देते हुये नेहरू युवा केन्द्र के जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव ने बताया कि केन्द्र से जुड़े युवा मण्डलों ने गांवों से प्लास्टिक कचरा एकत्र कर उनकी शव यात्रा निकाली और ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दिया। बताया कि यह अभियान 17 सितम्बर से चरणबद्ध रूप में युवा मण्डलों द्वारा चलाया जा रहा है जो गांधी जयन्ती 2 अक्टूबर तक चलेगा।

अनेक स्थानों पर चलाये गये माई भारत स्वच्छता ही सेवा अभियान में सुशील कुमार, दिलीप कुमार गुप्ता, मो. आरिफ, अरूण कुमार, ब्रजेश पाण्डेय, अरूण सिंह, आलोक सिंह, महिमा भट्ट, सुमन, सरफराज, मनोरमा चौधरी, शुभम पंत, ओम प्रकाश मिश्र आदि योगदान दे रहे हैं।

ग्राम देवताओं को दिया न्योता

संवाददाता—बस्ती। आगामी 5 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित आर्य समाज नई बाजार बस्ती के 51वें वार्षिक उत्सव के तैयारियों में प्रभात फेरी एवं जनजागरण का कार्य बारिश में भी नहीं रुक रहा है। कार्यक्रम के संयोजक आचार्य सुरेश जोशी एवं पण्डिता रुक्मिणी देवी के साथ आर्य समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ग्राम देवताओं के बीच में पहुंचकर उन्हें इस कार्यक्रम का निमंत्रण दे रहे हैं। ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि गांव के बहन, बेटियों, बुजुर्गो और वयस्कों सबको इस कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम तेनुई के दुर्गा मंदिर में, ग्राम घरसोहिया, वृद्धाश्रम बनकटा और गांवगोड़िया में कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें वैदिक यज्ञ करते हुए लोगों को पर्यावरण शोधन, जल संरक्षण और आपसी भेदभाव को बुलाकर के भाईचारे की भावना से रहने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में बच्चा लाल चौधरी, मुक्तिनाथ मिश्र, विजय पाल, बुद्धदेव, पंडित केशव मिश्रा, पंडित राधेश्याम, उपेंद्र शर्मा, विश्वनाथ प्रसाद, राजेंद्र जायसवाल, रोहित आर्य, दिलीप कसौधन, श्री राम अग्रवाल, शंकर जायसवाल, महिमा आर्य, प्रिया, साक्षी, आयुषी, अजीत कुमार पाण्डेय, आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूपी में बरसात से 45 की मौत

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में बुधवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने कहर ढा दिया है। शुक्रवार को जगह—जगह मकान, दीवार, पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। रेलवे ट्रैक पर ओएचई लाइन टूट जाने से कई ट्रेनों के पहिए थम गए। विमान सेवा बाधित हुई। बिजली व्यवस्था चरमरा गई। कुल 45 लोगों की मौत हो गई है। कई घायल हैं। सबसे ज्यादा नुकसान लखनऊ समेत अवध क्षेत्र में हुआ है। यहां 18 लोगों की जान चली गई। वहीं, प्रयागराज, कौशाम्बी व प्रतापगढ़ में 14, मध्य यूपी व बुंदेलखंड में सात और पूर्वांचल में छह लोगों की मौत हुई है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रदेश सरकार ने दो दिन के लिए सभी स्कूल कॉलेज बंद करने की घोषणा की है।

कई जिलों में धान की खड़ी फसल गिर गई। गरज—चमक के साथ हुई भारी बारिश ने लोगों को गर्मी और उमस से राहत तो दी है पर जनजीवन अस्त—व्यस्त हो गया है। बारिश के साथ तेज हवाओं ने लोगों को ठंड का अहसास कराया। तापमान में अच्छी खासी गिरावट दर्ज की गई।

प्रदेश के तराई क्षेत्र के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बस्ती, और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह से भारी बारिश का क्रम जारी है।

अयोध्या जिले में बीती रात से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते फसलों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं, कई दिनों से हो रही उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है तो दूसरी तरफ शहर में जगह—जगह जल भराव हो गया है।

लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिलाधिकारी के आदेश पर कक्षा एक से लेकर 8 तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। मूसलाधार बारिश के चलते गन्ने और धान की फसल गिर गई है।

झमाझम बारिश से क्षेत्र हुआ जलमग्न, फसलें हुई धराशायी

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में करीब 20 घंटे से तेज हवाओं के साथ झमाझम बरसात हो रही है। लगातार बारिश होने से एक ओर जहां फसलों की पर्याप्त मात्रा में सिंचाई हो गई है, वहीं तेज हवाओं के चलते धान व गन्ने की अधिकांश फसल जमीन पर गिर गई। इससे फसल के नुकसान होने की संभावना है। वहीं कई स्थानों एवं प्रमुख मार्गो पर पेड़ गिरने से आवागमन प्रभावित हुआ। साथ ही बिजली के तार टूट जाने से घंटो आपूर्ति बाधित रही। मुख्यालय पर करीब छह घंटे तक बिजली बाधित रही। जिले के लगभग 600 गांव में 20 घंटे से बिजली गुल है। बारिश न थमी तो बाढ़ आने की संभावना भी उत्पन्न हो जाएगी। पिछले दो सप्ताह से बरसात न होने के कारण भीषण गर्मी पड़ रही थी। उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल हो गए थे। गुरुवार देर शाम अचानक आसमान में काले बादल छा गए। रात 12 बजे से तेज हवाओं के साथ झमाझम बरसात शुरू हो गई, जो शुक्रवार देर रात तक लगातार होती रही। बारिश से सूख रही फसलों को फायदा पहुंचा है। वहीं तेज हवाओं के चलने से गन्ना व धान फसलें धाराशायी हो गई है। किसानों की मानें तो धान की फसल को फायदा पहुंचा है। बारिश से अब खेतों में पर्याप्त नमी हो गई है, जिससे धान में अच्छी तरह से बालियां आ जाएंगी, साथ ही इनमें फूल भी लग जाएंगे। वहीं धान की जो फसलें लम्बी हो गईं थी, तेज हवाओं के चलने से जमीन पर गिर गई हैं, उनकी उत्पादन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। किसान राम बहादुर, छोटेलाल, किशोरी, सलीम व राम तेज ने बताया कि बारिश के साथ–साथ तेज हवाओं के चलने से अधिकांश गन्ना फसल भी गिर गई है। इसके अलावा दलहनी फसल उरद, मूंग आदि को भी बारिश से नुकसान पहुंचा है। जिला कृषि अधिकारी पीसी विश्वकर्मा बताते हैं कि यदि लगातार बारिश होती रही तो गन्ना व दलहनी फसलों पर बुरा असर पड़ेगा।

20 घंटे से हो रही लगातार बारिश से एक ओर जहां लोगों को गर्मी से निजात मिली है वहीं तेज हवाओं के चलने से लोगों को ठंड का भी एहसास हुआ। बारिश के न रुकने से लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल सके। बाजार व कस्बों में सन्नाटा पसरा रहा। अधिकांश दुकानें बंद रहीं। जरूरी काम होने पर ही लोग छाता इत्यादि के सहारे घर से निकलते नजर आए।

भेड़िये ने फिर दो मासूमों पर किया जानलेवा हमला

संवाददाता–बहराइच। हरदी थाना क्षेत्र के गांवों में एक बार फिर भेड़िया सक्रिय हो गए हैं। बृहस्पतिवार रात भेड़िये ने हमला कर बालक समेत दो मासूमों को जख्मी कर दिया। दोनों को सीएचसी महसी लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद में जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है। जहां इलाज चल रहा हैं। महसी क्षेत्र में लगभग दो सप्ताह से भेड़ियों का कोई हमला नहीं हुआ था जिससे गांव के लोग राहत की सांस ले रहे थे लेकिन बृहस्पतिवार रात को अचानक भेड़िया ने फिर हमला कर दिया जिसके कारण पूरे क्षेत्र में फिर दहशत फैल गई है।

मिली जानकारी अनुसार हरदी थाना क्षेत्र के रमवापुर खुर्द गांव निवासी आयुष (6 माह) पुत्र रमेश अपनी मां फूलमती के साथ तीन दिन पहले ननिहाल घूमनी गांव आया था। फूलमती अपने बेटे आयुष के साथ सोई हुई थी कि अचानक रात दो ढाई बजे के बीच एक जंगली जानवर आया और बच्चे को अपनी तरफ खींचने लगा। इतने में फूलमती की आंख खुल गई और वह बच्चे को अपनी तरफ खींचने लगी और जोर जोर से चिल्लाने लगी। आसपास के लोगों के जगने से भेड़िया बच्चे को छोड़कर भाग गया पर भेड़िया के हमले में छह माह का आयुष घायल हो गया।

वहीं, दूसरी तरफ इसी थाना क्षेत्र के ग्राम नकहा निवासी ममता (5) पुत्री तीरथ अपनी बहन के साथ सो रही थी। रात ढाई तीन बजे के आसपास भेड़िया ने बालिका पर हमला कर दिया। परिजनों के जगने और शोर मचाने पर भेड़िया बालिका को छोड़कर भाग गया। दोनों को परिवार के लोगों ने सीएचसी पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हमलों को लेकर क्षेत्रीय लोगों में दहशत का माहौल है। बीते दो माह से सरयू नदी के कछार स्थिति लगभग 50 गांव में भेड़ियों का आतंक कायम है। दो माह में एक महिला समेत 10 अपनी जान कमा चुके हैं और 54 लोग घायल हो चुके हैं। वन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में अब तक पांच भेजिए पकड़े भी जा चुके हैं जिन्हें पकड़ कर चिड़िया घर भेजा चुका है। वन विभाग के अनुसार अभी एक भेड़िया पकड़ा जाना बाकी है लेकिन क्षेत्रीय ग्रामीणों की मानें तो महसी क्षेत्र में भेड़ियों की तादात एक से कहीं अधिक है। रात हुए हमले से एक बार फिर क्षेत्र में दहशत का माहौल देखने को मिल रहा है। बीते दो सप्ताह से भेड़िये का कोई हमला न होने से लोग धीरे–धीरे सामान्य जीवन जीने लगे थे पर बीती रात दो मासूमों पर जानलेवा हमला होने के बाद एक बार फिर लोगों को भेड़िये का डर सताने लगा है। बहराइच के कतर्नियाघाट वन क्षेत्र के सुजौली रेंज अंतर्गत सुजौली के अयोध्या पुरवा गांव में गांव निवासी वसीम के घर बीती रात भेड़िया घुस गया जिसने घर में सो रही 13 वर्षीय बालिका साईबा पर हमलाकर दिया। बालिका के चीखने पर परिजनों की नींद खुली जिसके बाद सभी बच्ची को बचाने के लिए हाका लगाते हुए दौड़ पड़े। इस दौरान भेड़िया बालिका को घायल करके गन्ने के खेत में घुस गया।

ग्रामीण पूरी रात हाका लगाते रहे। इस बीच परिजन घायल बालिका को सीएचसी ले गए जहां से उसे सीएचसी मोतीपुर के लिए रेफर किया गया। जहां सीएचसी में भी उसका इलाज सम्भव नहीं हुआ तो चिकत्सकों ने उसे मेडिकल बहराइच के लिए रेफर कर दिया। घटना से लोगों में दहशत का माहौल है।

किसानों का चक्का जाम स्थगित, एसडीएम को सौंपा पत्रक

संवाददाता–देवरिया। जमीनों के मुआवजे को लेकर पूर्व विधायक के नेतृत्व में शुक्रवार को होने वाला चक्का जाम और धरना प्रदर्शन बारिश के कारण स्थगित हो गया।

किसानों ने पूर्व विधायक स्वामीनाथ के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी अंगद यादव से मुलाकात किया और उन्हें पत्रक सौंप कर अपनी समस्याओ से रूबरू कराया। गौरतलब है कि राम जानकी मार्ग निर्माण में ली गई किसानों की भूमि के प्रतिकर को लेकर पूर्व सपा विधायक स्वामी नाथ भाई ने एक सप्ताह पूर्व उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर किसानों के साथ तहसील के पास 27 सितम्बर को चक्का जाम व प्रदर्शन करने का ऐलान किया था।

लेकिन बारिश के कारण प्रदर्शन को रोक देना पड़ा। पी डब्लू डी द्वारा उपजिलाधारी के न्यायलय में कुछ दिन पूर्व पुरानी सड़क की भूमि पर अपना नामांतरण दर्ज कराने हेतु बाद दाखिल किया था परंतु एसडीएम के आदेश पर विभाग कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं करा पाया। इस मामले में उपजिलाधिकारी ने 30 सितम्बर फैसला सुनाने आश्वासन दिया है। उनके आश्वासन पर किसानों ने राहत की सांस ली।

महिला समेत उसके तीन बच्चों की हत्या के दोषियों को कोर्ट ने दी सजा ए मौत

संवाददाता–बहराइच। करीब तीन साल पुराने एक मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम पवन कुमार शर्मा ने महिला समेत उसके एक बेटे व दो बेटियों की हत्या में दो दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। इन्हें दो दिन पूर्व दोषी करार दिया गया था। मामला 12 सितंबर 2021 का है। थाना फखरपुर के माधवपुर के ग्राम प्रधान ने पुलिस को लिखित सूचना दी थी कि लगभग पांच बजे गांव के कुछ लोगों ने उन्हें बताया है कि यादवपुरी पुलिया के आगे गन्ने के खेत में एक महिला का शव पड़ा हुआ है, जिसकी उम्र 35 वर्ष है। उसके आगे धान के खेत में एक पांच वर्षीय बच्ची का शव पड़ा है।

गजाधरपुर के तुलापुरवा निवासी बेचन ने भी पुलिस को सूचना दी कि सुबह 7.30 बजे जब बसंतापुरवा जा रहा था तो नहर पुलिया के पास भीड़ लगी थी, जहां पर दो शव एक लड़की, जिसकी उम्र आठ वर्ष तथा एक पांच वर्षीय लड़के का शव बरामद हुआ। घटना को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक सुजाता सिंह ने गंभीरता से लेकर जांच कराई। पुलिस ने दोनों जगहों के चारों शवों को एकत्र करके विधिक कार्रवाई कराई और मृतकों की पहचान महाराष्ट्र की रहने वाले 35 वर्षीय मैरीकाशी कात्यान, उसकी आठ वर्षीय बेटी रजाती, पांच वर्षीय सौंदर्य व छह वर्षीय जोसेफ के रूप में हुई। इस घटना में ग्राम तेलियनपुरवा निवासी ननकू व सलमान और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया था। ननकू व सलमान को कोर्ट ने शुक्रवार को फांसी की सजा सुनाई है। जबकि नाबालिग का केस बालक न्यायलय पर चल रहा है।

द्वारिका से श्रीमद्भागवत कथा करने आए चेतन भाई रामलाल का दर्शन कर धन्य हुए

संवाददाता–अयोध्या। भगवान श्री राम लला के मंदिर बनने बाद अयोध्या में पूरे विश्व से सनातन धर्म को मानने वाले लोग एक बार अवश्य आना चाहते हैं और पहली बार अयोध्या में श्रीमद् भागवत कथा करने के लिए द्वारिका से आया और अभी तक इन सात दिनों में दो बार दर्शन कर चुका हूं लेकिन मन बार–बार दर्शन को करता है इसलिए जाने से पहले एक बार और दर्शन करूंगा उक्तबातें द्वारिका से अयोध्या में श्रीमद्भागवत कथा करने आए आचार्य चेतन भाई ने कही। आचार्य जी ने श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन भगवान कृष्ण और रुक्मणी के विवाह की कथा गुजराती भाषा में कहीं जिसको सुनकर गुजरात से आए सैकड़ों भक्त मंत्र मुक्त हो गए। श्री महाराज जी ने कहा कि भगवान कृष्ण और साक्षात लक्ष्मी के रूप में पृथ्वी पर प्रकट हुई माता रूकमणि के विवाह की कथा जो सुनता है उसका जीवन धन्य हो जाता है और जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्त हो जाता है। अयोध्या के बारे में बताते हुए आचार्य चेतन भाई ने कहा कि अयोध्या के लोग बहुत प्रिय हैं और जब से मंदिर का निर्माण हो गया है तो ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो अयोध्या एक बार ना आना चाहता हो, मुझे भी सौभाग्य प्राप्त हुआ अयोध्या में श्रीमद् भागवत कथा पहली बार करने का मेरा मन प्रसन्न हो गया और हमारे भक्तों का मानना है कि बहुत जल्द अयोध्या में श्री राम कथा कराएंगे तो मेरा मानना है कि भगवान श्री राम एक बार जो उनकी शरण में अयोध्या आता है निश्चित ही वह बार–बार बुलाते रहते हैं। उन्होंने कहा श्री राम जन्मभूमि के साथ हनुमानगढ़ी, कनक भवन सरयू जी में आरती का लाभ लेने का अवसर प्राप्त हुआ इसके साथ–साथ स्थानीय और कई मंदिरों का दर्शन हुआ संतों से मुलाकात हुई जीवन धन्य हो गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के वर्तमान समय के शिल्पकार हैं जो अयोध्या को सजाने में लगे हुए हैं। क्योंकि अयोध्या पौराणिक नगरी है निश्चित ही इसका विकास इसके अनुरूप होना चाहिए और वर्तमान के दोनों लोग अयोध्या को अयोध्या के अनुरूप विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं जिसके लिए मैं अयोध्या से उन लोगों का भी आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा 22 तारीख से कथा प्रारंभ हो हुई 28 को समापन होगा अयोध्या के लोगों से जो प्यार मिला है मैं उसका आभार व्यक्त करता हूं और बार–बार अयोध्या में आयोजन करता रहूंगा।

कमिश्नर ने आईजीआरएस प्रकरणों को गंभीरता से लेने का दिया अधिकारियों को अल्टीमेटम

संवाददाता–देवरिया। विकास भवन के गांधी सभागार में मंडलायुक्त अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में आईजीआरएस प्रकरण, लंबित राजस्व वाद, विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने जनपद में समस्त योजनाओं को गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ संचालित करने व आईजीआरएस के प्रकरणों को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

संबंधित अधिकारी फील्ड भ्रमण कर मौका मुआयना करें और शिकायतकर्ता से संवाद कर प्रकरण को समझे और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करें। आईजीआरएस पोर्टल में दर्ज प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लिया जाए। अधिकारी निचले स्तर के कार्मिकों पर निर्भर न रहे। 25 सितंबर तक 1559 आईजीआरएस प्रकरण दर्ज हैं। जनपद में एक भी प्रकरण डिफाल्टर नहीं पाया गया। असंतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों पर विशेष ध्यान दिया जाए। राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने कहा कि तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित मुकदमे का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने पशुपालन विभाग की समीक्षा की। वर्तमान समय में 2,672 गोवंश गोआश्रय स्थलों में संरक्षित हैं। जनपद के गो–आश्रय स्थलों में साइलेज की अनिवार्यता एवं बरहज स्थित कान्हा गोशाला में गोबर से पेंट बनाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। पीएम सूर्य घर योजना के अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार पर जोर दिया। पीओ नेडा ने बताया कि अभी तक योजना के अंतर्गत जनपद में 1377 आवेदन आ चुके हैं, जिसके सापेक्ष 46 लोगों के घर पर सोलर रूफ टॉप का इंस्टालेशन हो चुका है।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने मंडलायुक्त को आश्वस्त किया कि दिये गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में सीडीओ प्रत्यूष पांडेय, सीएमओ डॉ. राजेश झा, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, एडीएम वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार राय, सीआरओ जेआर चौधरी, ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम रुद्रपुर श्रुति शर्मा, एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी, एसडीएम सलेमपुर दिशा श्रीवास्तव, एसडीएम भाटपाररानी रत्नेश तिवारी, एसडीएम बरहज अंगद यादव, जिला विकास अधिकारी रविशंकर राय आदि मौजूद रहे। मंडलायुक्त ने जनपद में बाढ़ की स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि जनपद की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से नीचे प्रवाहित हो रही हैं। स्थिति सामान्य है। निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा में उन्होंने कहा कि समस्त कार्यदायी संस्थाएं समयबद्धता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने सलेमपुर में निर्माणाधीन अग्निशमन केंद्र, बरवामीर छापर में निर्माणाधीन राजकीय आईटीआई, पथरदेवा में निर्माणाधीन राजकीय आईटीआई, जी 12 ट्रांजिट हॉस्टल सहित समस्त परियोजना को समय से पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया।

मंडलायुक्त ने कहा कि खराब ट्रांसफॉर्मर को निर्धारित समयावधि में बदला जाए।

डीएम ने बरियारपुरवा में रुकवाया तालाब पटाई का काम

संवाददाता–गोण्डा। भारी बारिश के बीच डीएम नेहा शर्मा ने शुक्रवार को शहर के बरियारपुरवा क्षेत्र का निरीक्षण करके तालाब में मिट्टी पटाई का काम तत्काल रुकवा दिया है। वह प्रशासनिक अमले के साथ तालाब की अवैध पटाई की जनशिकायत पर जांच करने मौके पर पहुंची थीं। डीएम ने नगर पालिका को निर्देश दिए कि वे क्षेत्र में जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें और इसकी जानकारी तुरंत उपलब्ध कराएं। मकार्थीगंज, ददुवा बाजार और आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय निवासियों ने डीएम को बरियारपुरवा में तालाब की मिट्टी से अवैध पटाई के संबंध में शिकायत दी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस अवैध पटाई के कारण जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो रही थी। भारी बारिश के दौरान क्षेत्र में जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई थी। शुक्रवार सुबह भारी बारिश के बावजूद जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने शिकायत की जांच के लिए मौके पर पहुंच गईं। उनके साथ सिटी मजिस्ट्रेट विजय शर्मा, एसडीएम सदर अवनीश त्रिपाठी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्थानीय निवासियों से बातचीत की, जिन्होंने बताया कि अवैध पटाई के कारण जल निकासी की समस्या गंभीर हो गई है। इस पर डीएम ने तत्काल पटाई कार्य रुकवा दिया। साथ ही नगर पालिका को निर्देशित किया कि वे जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान करें।

डीएम नेहा शर्मा ने नगर पालिका को यह भी निर्देश दिए कि भविष्य में जल निकासी की समस्या को रोकने के लिए ठोस और प्रभावी योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे अवैध कार्यों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों को बताया गया भाषा व गणित विषय पढ़ाने का तरीका

संवाददाता–श्रावस्ती। भाषा व गणित विषय में तकनीकि रूप से दक्ष बनाने को शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसका समापन शुक्रवार को हुआ। 635 शिक्षकों को छह चरण में प्रशिक्षित किया गया। ब्लाक संसाधन केन्द्र सिरसिया में एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड नुमेरसी) प्रशिक्षण का का आयोजन किया जा रहा था। जिसका शुक्रवार को समापन कर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 635 शिक्षकों के साथ ही शिक्षामित्रों ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें शिक्षकों ने कक्षा एक, दो व तीन में पढ़ाने के लिए नई तकनीकियां सीखी। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य भाषा और गणित की दक्षताओं का प्रारंभिक विकास करना था। प्रशिक्षकों ने शिक्षण कार्य की नियमित गतिविधियों पर चर्चा की। ताकि शिक्षकों को इनका प्रभावी ढंग से उपयोग करने की जानकारी मिल सके।

`प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों ने चार्ट पर लिखकर अपने विचार प्रस्तुत किए। खंड शिक्षा अधिकारी राज किशोर ने सभी शिक्षकों को प्रेरित किया कि वे इस प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को कक्षा में पूरी तरह से लागू करें। प्रशिक्षक संतोष सोनी ने अंग्रेजी भाषा के विकास के लिए जरूरी तकनीकियों पर चर्चा की। जिससे अंग्रेजी विषय सरल व प्रभावी बन सके। इस मौके पर एआरपी आशुतोष आजाद, दिनेश प्रजापति, चांद बाबू, गौरव शर्मा, नीरज आदि मौजूद रहे।

गोरखपुर से बस्ती के बीच लगेगा पहला "कवच", बेधड़क दौड़ेंगी ट्रेनें

संवाददाता–गोरखपुर। लखनऊ–गोरखपुर–छपरा रेल मार्ग रेलवे के एचडीएन (हाई डेंसिटी नेटवर्क) श्रेणी में है। इस पर यात्रियों की भीड़ के चलते सर्वाधिक संख्या में ट्रेनों का आवागमन होता है। गोरखपुर स्टेशन से हर दिन करीब 180 ट्रेन व 40 से अधिक मालगाड़ियों का आवागमन होता है। ट्रेनों की बढ़ती संख्या के बीच हादसे की आशंका भी सर्वाधिक इसी रूट पर है। इसे ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने इस पूरे रूट पर तीसरी लाइन बनाने का काम शुरू किया है। इसके बाद अब चौथी लाइन के लिए भी सर्वे हो रहे हैं। साथ ही ऑटो ब्लॉक सिग्नल सिस्टम भी लगाया जा रहा है। इस सिस्टम के लागू होने पर एक ही ट्रैक पर तीन मिनट के अंतराल पर आगे–पीछे ट्रेनें चलाई जा सकेंगी।भीड़ और नई तकनीक लागू होने पर हादसे की आशंका और बढ़ेगी। इसे देखते हुए रेलवे बोर्ड ने यह निर्णय लिया है कि लखनऊ से छपरा के बीच लगने वाली कवच प्रणाली की शुरुआत भी सबसे पहले वहीं से होगा, जहां ऑटो ब्लॉक सिग्नल सिस्टम का काम पूरा होगा। इसीलिए एनईआर में सबसे पहले यह सुविधा गोरखपुर से बस्ती के बीच शुरू होगी। बस्ती से गोरखपुर के बीच जगतबेला से चुरेब तक ऑटो ब्लॉक सिग्नल सिस्टम लग चुका है। चुरेब से बस्ती के बीच काम चल रहा है। वहीं जगतबेला से डोमिनगढ़ के बीच नॉन इंटरलाकिंग का काम बाकी है। छठ पूजा के बाद एक सप्ताह में इंटरलाकिंग का काम पूरा होते ही गोरखपुर से बस्ती के बीच पूरा खंड ऑटो ब्लॉक सिस्टम से जुड़ जाएगी। अब गोरखपुर से छपरा के बीच भी तेजी से काम चल रहा है। कवच एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें अगर दो ट्रेनें आमने–सामने आ जाएं तो एक निश्चित दूरी पर वे खुद रुक जाएंगी। कवच प्रणाली लोको पॉयलट के सभी क्रियाकलापों जैसे ब्रेक, हार्न, थ्रोटल हैंडल आदि की मॉनिटरिंग करती है। ड्राइवर से किसी प्रकार की चूक होने पर कवच पहले ऑडियो–वीडियो के माध्यम से अलर्ट करेगा। लाल सिग्नल पार होते ही ट्रेन में अपने आप ब्रेक लग जाएगा। साथ ही, पांच किलोमीटर के दायरे में सभी ट्रेन बंद हो जाएंगी। पीछे से आने वाली ट्रेन को भी कवच बचाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे के ब्ल्ट पंकज कुमार सिंह ने बताया की संरक्षा और सुरक्षा समेत आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं प्रगति पर हैं। लखनऊ–गोरखपुर–छपरा रूट पर ऑटो ब्लॉक सिग्नल सिस्टम का काम पूरा होने के बाद कवच प्रणाली की स्थापना का काम होगा। इससे इस अति व्यस्त रूट पर आवागमन और सुरक्षित हो जाएगा।

बोले सपाई–जिलाध्यक्ष इन पर कब जारी होगी नोटिस

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। समाजवादी पार्टी में यादव समाज द्वारा सांसद लालजी वर्मा के खिलाफ की जा रही मोर्चाबंदी को लेकर सियासी घमासान तेज हो गई है। विरोध करने वाले पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिलाध्यक्ष की तरफ से नोटिस जारी करने के बाद अब नगर पालिका अकबरपुर व कटेहरी जिला पंचायत सदस्य के उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी का विरोध करने वाले नेताओं को नोटिस जारी करने की मांग की है। जिला सचिव इन्द्रजीत यादव, परशुराम यादव पूर्व जोन प्रभारी सेनपुर, मजदूर सभा जिलाध्यक्ष संतोष यादव, टांडा ब्लाक अध्यक्ष राजितराम गौतम, लक्ष्मी नारायण यादव, सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद यादव, जिला सचिव पवन यादव, राम मूरत यादव, राम जियावन यादव, चतुरपाल यादव आदि ने सपा जिलाध्यक्ष से मांग किया है कि नगर पालिका अकबरपुर के चुनाव में पार्टी प्रत्याशी शारदा राजभर को पार्टी के पदाधिकारियों व नेताओं ने विरोध किया। वहीं कटेहरी जिला पंचायत सदस्य के उप चुनाव में पार्टी की उम्मीदवार कांती देवी को जिम्मेदार पदाधिकारियों व नेताओं ने पूरी ताकत लगाकर चुनाव को हरा दिया। इन लोगों के खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधियों पर राष्ट्रीय व प्रान्तीय नेतृत्व इस अनुशासनहीनता को कब संज्ञान में लेगा और जिलाध्यक्ष कब नोटिस जारी करेंगे। जिला सचिव इन्द्रजीत यादव आदि ने कहा कि हम सभी लोग तो भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक दायरे में रह कर अपने विचारों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत कटेहरी विधानसभा के उपचुनाव में सांसद लालजी वर्मा के परिवार के अतिरिक्त किसी अन्य को प्रत्याशी बनाए जाने की मांग कर रहे हैं।

इतिहासकारों का महाकुंभ, भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने पर मंथन

संवाददाता–अयोध्या। साकेत महाविद्यालय के जेपीएन सिंह सभागार में शुक्रवार से इतिहास की दशा –दिशा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय ज्ञान परम्परा के संवाहक देश भर के इतिहासकारों का महाकुंभ शुरू हुआ। अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा. बालमुकुंद पाण्डेय ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा को अवशोषित करने के लिए ऐसे युवा सामने आएं जो इतिहास के पुनर्पाठ लेखन को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भारतीय ज्ञान परम्परा को दूषित करने के लिए भारतीयों के विश्वास पर आघात किया। इसके लिए श्री ई यानि इंग्लिश, एजुकेशन व इम्पलायमेंट के सिद्धांत को लागू किया। उन्होंने ऐसी व्यवस्था लागू की और अनेक बंधन लगा दिया जिससे कि भारतीय जनमानस वेद शास्त्रों से दूर होता चला गया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए घर के वातावरण में मातृभाषा का समावेश होना जरूरी है। इस मौके पर आईसीएचआर के सदस्य सचिव प्रो. उपाध्याय ने डिप्टी सीएम समेत अतिथियों का स्वागत किया।

इसके पहले आईसीएचआर व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संस्था इतिहास संकलन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी का अनौपचारिक अनावरण उत्तर प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम व राज्यसभा सांसद डा. दिनेश शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि मैकाले की शिक्षा पद्धति ने समाज की मानसिकता को दूषित ही नहीं किया बल्कि इतिहास के साथ भी छेड़छाड़ कर गलत तथ्य प्रस्तुत किया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आईसीएचआर के पूर्व चेयरमैन व वयोवृद्ध विद्वान आचार्य प्रो. अरविंद जामखेडकर ने करते हुए कहा कि पुरातात्विक अनुसंधान के लिए प्रकृति के साथ अन्य विषयों की समझ आवश्यक है। उन्होंने बताया कि संस्कृत के विद्यार्थी के रूप में जब पुरातत्व की ओर रुख किया तो ज्ञात हुआ कि इस विषय के लिए प्रकृति के साथ अभियांत्रिकी की जानना आवश्यक है। पुनः राज्य और समाज को समझने के लिए समाज शास्त्र के ज्ञान की जरूरत महसूस हुई। इसी तरह न्याय, मीमांसा व व्याकरण का ज्ञान भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के वाद से ज्ञान संपदा बढ़ती है और स्वयं के साथ इतिहास और समाज को समझने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से युवाओं को भी पाथेय प्राप्त होगा। कार्यक्रम में आईसीएचआर के पूर्व चेयरमैन प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, सदस्य प्रो. आनंद शंकर सिंह, कालेज के प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह व महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इतिहास संकलन समिति की प्रांतीय अध्यक्ष प्रो. प्रज्ञा मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर समिति के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री व वरिष्ठ प्रचारक संजय मिश्र, एएसआई के सेवानिवृत्त पुराविद् केके मोहम्मद, प्रो. सुदर्शन राव, प्रो. अशोक कुमार मिश्र, प्रो.जन्मेजय त्रिपाठी, राजीव मणि पाठक, विनय सिंह, डा. रमेश सिंह, डा. रवींद्र सिंह, डा. कनक पाठक, निवर्तमान महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह व कमलेश श्रीवास्तव, परमानंद मिश्र व शैलेन्द्र सहित अन्य मौजूद रहे।

जांच में कनिष्ठ लिपिक को मिली क्लीन चिट, शिकायतकर्ता ने उठाए सवाल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा और मंडलायुक्त बस्ती से सीएमओ कार्यालय के एनएचएम विभाग में तैनात कनिष्ठ लिपिक के खिलाफ गंभीर आरोपों की हुई शिकायत की जांच डीएम की गठित तीन सदस्यीय टीम ने की। जांच समिति ने साक्ष्य के अभाव में कनिष्ठ लिपिक को क्लीन चिट दी है। वहीं इस प्रकरण के दूसरे शिकायतकर्ता भाजपा के पूर्व जिला मंत्री आनंद त्रिपाठी ने समिति की जांच पर सवाल उठाया है। समिति पर उनका पक्ष नहीं सुनने और साक्ष्य नहीं मांगे जाने का आरोप मढ़ा है। अब इसकी शिकायत सीएम के दरबार में ले जाने की तैयारी में है।

भाजपा के नगर महामंत्री विष्णु मिश्र ने सीएमओ कार्यालय के एनएचएम में तैनात कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाते हुए पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा से शिकायत की थी। जबकि भाजपा के पूर्व जिला मंत्री एवं पूर्व सांसद प्रवीण निषाद के प्रतिनिधि आनंद त्रिपाठी ने मंडलायुक्त को प्रार्थना पत्र देकर कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव के लिए गंभीर आरोप मढ़ते हुए जांच कराए जाने की मांग की थी। डीएम ने पूर्व डिप्टी सीएम और मंडलायुक्त से कनिष्ठ लिपिक की हुई शिकायत को गंभीरता से लेते हुए 17 अगस्त 2024 को प्रकरण की जांच के लिए एडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की। समिति में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक संयुक्त जिला चिकित्सालय और जिला विकास अधिकारी को सदस्य नामित किया। समिति ने प्रकरण के जांच के क्रम में शिकायतकर्ता के शिकायती प्रार्थना पत्र पर शिकायकर्ता एवं आरोपी कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव को सुना। दोनों पक्षों से प्रस्तुत साक्ष्यों का अवलोकन किया। जांच समिति के मुताबिक शिकायकर्ता विष्णु मिश्र ने सीएमओ के कार्यालय में तैनात कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव पर अरबन हास्पिटल के लिए किराए पर भवन लेने के लिए तीन लाख रुपये की मांग एवं टोकनमनी के तौर पर 10,000 रुपये उनके चपरासी सुभाष के पास जमा कराने का आरोप लगाया गया है। इसके साथ ही एक ही फर्म को जैम पोर्टल के माध्यम से फर्जी तरीके से 15 लाख का भुगतान कर दिए जाने का आरोप है। लैब टेक्निशियन संविदा, सुहाना त्रिपाठी की तैनाती गलत तरीके से कराने का भी आरोप लगाया गया है। जबकि कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव ने समिति के समक्ष दिए बयान में कहा कि उन्होंने हास्पिटल के लिए मकान किराए पर लेने के लिए किसी धनराशि की मांग नहीं की गई और न ही उसके जरिए टोकन मनी के तौर 10,000 रुपये सुभाष से प्राप्त किया। विष्णु ने जो प्रत्यावेदन किराए के लिए दिया है वह अरबन हास्पिटल किराए के संबंध में है, जो सुरजीत सिंह एनयूएचएम के जिला कोआर्डिनेटर द्वारा देखा जाता है। लैब टेक्नीशियन संविदा सुहाना त्रिपाठी की नियुक्ति मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के जरिए की जाती है। तैनाती में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं की गई है। लैब टेक्निशियन संविदा, सुहाना त्रिपाठी द्वारा पूर्व में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत चार फरवरी 2019 से 24 फरवरी 2024 तक लैब टेक्निशियन संविदा के पद पर जनपद बरेली में मुख्य चिकित्साधिकारी के अधीन एमसीएच विंग में कार्य किया जा चुका है। सुहाना त्रिपाठी ने सीएमओ को लिखित दिया है कि तत्कालीन सीएमओ व लेखालिपिक राकेश श्रीवास्तव को अथवा अन्य किसी को एक भी रुपये नहीं दिया गया है। शिकायकर्ता विष्णु मिश्र के शिकायती प्रार्थना पत्र में वर्णित शिकायत के संबंध में शपथ पत्र के अलावा कोई ऐसा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिससे शिकायत की पुष्टि हो सके।

शिकायतकर्ता आनंद त्रिपाठी का आरोप है कि कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ उनके जरिए मंडलायुक्त से की गई शिकायत की जांच समिति ने नहीं की। जांच समिति ने उनका पक्ष सुनने के लिए सूचना तक नहीं दिया। आरोप है कि जांच में लीपापोती की गई है। वह चुप नहीं बैठेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ एवं स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर शिकायत करेंगे और टीएसी जांच की मांग करेंगे।

पीएम आवास योजना शहरी का निर्माण शीघ्र पूरा करें –जिलाधिकारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला नगरीय विकास अभिकरण(डूडा) के शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के सीएम डैशबोर्ड प्रगति की समीक्षा की। बैठक में परियोजना अधिकारी डूडा ने बताया कि जनपद में कुल 20125 स्वीकृत आवासों के सापेक्ष 19881 को प्रथम किश्त, 19667 को द्वितीय किश्त तथा 17973 लाभार्थियों को तृतीय किश्त की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है। अब तक 18525 लाभार्थियों के छत स्तर पर पूर्ण हो चुके हैं। जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन आवासों से संबंधित लाभार्थियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों का सत्यापन कार्य दो दिवस में पूर्ण करने का निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

इस दौरान पंडित दीन दयाल योजना के तहत राष्ट्रीय शहरी आजीविका की समीक्षा किया। यह योजना अकबरपुर, टांडा व जलालपुर में संचालित की गइ है। इसमें स्वतरू रोजगार के लिए 29 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया है। 32 समूहों का खाता खुलवाया गया है। जिलाधिकारी ने बैंकों में लंबित समूहों के खाते शीघ्र ही खुलवाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी डा. सदानंद गुप्ता, जिलापूर्ति अधिकारी शिवाकांत पांडेय, पीओ डूडा, समस्त निकायों के अधिशासी अधिकारी मौजूद रहे।

बाबा साहब की प्रतिमा तोड़े जाने से रोष: प्रशासन की पहल पर लगेगी नयी प्रतिमा

संवाददाता–बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव के अम्बेडकर पार्क में स्थित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को अज्ञात लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना मिलते ही लोग आक्रोशित हो गये और मुण्डेरवा थाने को गुरूवार को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और नायब तहसीलदार ने लोगों का गुस्सा शांत कराया। आश्वासन दिया कि तत्काल दूसरी प्रतिमा स्थापित करा दिया जायेगा।

मौके पर पहुंचे बसपा के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी एवं मण्डल प्रभारी लवकुश पटेल ने घटना की कडे शव्दों में निन्दा करते हुये मांग किया कि दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। बताया कि यहां जान बूझकर बाबा साहब की प्रतिमा को खण्डित किया गया है। मुण्डेरवा पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना कर रही है। मौके पर मौजूद बसपा जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम, कल्पनानाथ बाबू, संजय धूसिया ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण और चिन्ताजनक है। प्रशासन सख्ती के साथ दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे। उमाशंकर राव, रामचेत निराला, रामलला गौड़, प्रदीप गौतम, सुरेन्द्र चौधरी, महेश गौड़, गोविन्द, बब्लू पाल, पीटर के साथ ही क्षेत्रीय नागरिक और बसपा के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिउतिया पर्व पर डूबने से बच्चों समेत 46 की मौत

पटना (आभा)। संतान की लंबी उम्र और सुख–समृद्धि की कामना के पर्व जिउतिया के मौके पर ही बिहार के अलग–अलग जिलों में 37 बच्चों और 7 मां की नदी–पोखर में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। इनमें ज्यादातर पर्व के दौरान पवित्र स्नान के लिए नदी या तालाब गए थे और हादसे का शिकार हो गए। पूरे राज्य में 37 बच्चों और 7 महिलाओं समेत कुल 46 लोगों की मौत हुई है। डूबे लोगों में अब तक 43 शव बरामद किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरफ) के जवान बहे लोगों की तलाश में जुटे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर अब तक 8 मृतकों के परिजनों को मुआवजा के रूप में चार–चार लाख रुपए का नकद भुगतान भी कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश भर में जिउतिया पर्व स्नान के दौरान डूबने से 37 बच्चे, 7 महिलाएं

और 2 पुरुष की मौत हुई है। डूबने की घटनाएं पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, नालंदा, औरंगाबाद, कैमूर, बक्सर, सीवान, रोहतास, सारण, पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, गोपालगंज और अरवल में हुई है। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से एसडीआरएफ और एनडीएफआर के जवान लगातार सर्च अभियान चला रहे हैं। मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि के रूप में चार लाख की राशि प्रदान की जाएगी जो राज्य सरकार द्वारा ऐसे मामलों में मुआवजा के लिए स्वीकृत है।

सूचना के अनुसार अकेले औरंगाबाद जिले में ही आठ बच्चों की डूबने से मौत हुई है। औरंगाबाद के बरुना थाने के इताहट गांव में चार जबकि मदनपुर थाने के कुशाहा गांव में चार बच्चों की मौत हुई है। कैमूर जिले के भभुआ और मोहनिया थाने में सात बच्चे दुर्गावती नदी और तालाब में स्नान के दौरान डूबने से मरे हैं।

विशेष सचिव से नगर पंचायत नगर में मूलभूत सुविधा बढाने की मांग

संवाददाता–बस्ती। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने प्रदेश के नगर विकास विभाग के विशेष सचिव अरुण प्रकाश से मिलकर क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को बढ़ाने की मांग किया है। उन्होंने अपने कार्यकाल में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए श्री प्रकाश को नगर आने का न्यौता भी दिया। श्रीमती राना राजधानी लखनऊ के बापू भवन स्थित उनके कार्यालय पर मिलकर क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया। विशेष सचिव श्री अरुण प्रकाश ने आश्वस्त किया है कि नगर पंचायत की विकास योजनाओं को शासन द्वारा शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाएगी। उक्त जानकारी देते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने बताया कि सड़क, नाली, पथ प्रकाश, सीवर के साथ ही बारात घर, शापिंग कॉम्प्लेक्स,पार्क, स्टडी सेंटर, डिजिटल लाइब्रेरी, शहरी बन,ओपेन जिम आदि अवस्थापना सुविधाओं को बढ़ा कर ही हम नगरीकरण कर सकते हैं। उन्होंने नगर को देश का एक मॉडल नगर पंचायत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि स्वच्छ नगर, स्वस्थ नगर, सुंदर नगर और समृद्ध नगर के सपने को साकार करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इस अवसर पर बहादुरपुर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख और भाजपा नेता राना दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

विद्युत पेंशनर्स पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। गुरूवार को विद्युत पेंशनर्स परिषद उ.प्र. के अध्यक्ष ए.एन. सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों और सदस्यों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि उच्च न्यायालय द्वारा पेंशनर्स की रिट याचिका की सुनवाई पर 10 वर्ष 11 माह के बाद राशिकरण की कटौती न किये जाने के आदेश पर शासनादेश जारी किया जाय। इससे पेंन्शनर अनावश्यक दौड़ भाग से बच जायेंगे और आर्थिक शोषण भी नहीं होगा।

ज्ञापन भेजने के बाद विद्युत पेंशनर्स परिषद उ.प्र. के अध्यक्ष ए.एन. सिंह ने बताया कि विद्युत पेंशनर्स परिषद की प्रदेश में सदस्यों की संख्या लगभग 73 हजार है। प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति की बैठक में सर्व सम्मत से प्रस्ताव पारित किया गया कि राशिकरण की कटौती, ब्याज दरों में गिरावट एवं उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्णित फैसले को समग्रता के साथ लागू कराया जाय और शासनादेश जारी किया जाय। ज्ञापन सौंपने वालोंमें जनपद सचिव ब्रम्हदत्त पाण्डेय, संरक्षक आर.के. पाण्डेय के साथ ही एम.ए. सिद्दीकी, कुर्बान अली, बी.डी. पाण्डेय, बलिराम ओझा, बुद्धिसागर, डी. एन. दूबे, अब्दुल्लाह आदि शामिल रहे।

रोड सेफ्टी एक्शन प्लान तैयार करें अधिकारी

संवाददाता–बस्ती। मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने आयुक्त सभागार में मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि मण्डल के प्रत्येक जनपद द्वारा नये सिरे से रोड सेफ्टी एक्शन प्लान तैयार कर आगामी माह में हरसंभव प्रयास जैसे–रोड इंजीनियरिंग, दुर्घटना पर रैपिड रिस्पांस, गोल्डेन ऑवर में बेहतर ट्रामा केयर सुविधा तथा प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही एवं व्यापक जनजागरूकता से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लायें। उन्होने निर्देश दिया कि ब्लैक स्पाट, अवैध कटों को चिन्हित करते हुए एन.एच.आई. तथा पीडब्ल्यूडी के अधिकारी उसे पूर्ण करायें। ट्रैफिक पुलिस अवैध अतिक्रमण को हटाने में विशेष सतर्कता बरतें। सभी के समन्वय प्रयास से निश्चित रूप से सड़क दुर्घटना में कमी आयेंगी तथा घायलों को अल्पसमय में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जा सकेंगी।

आई.जी. आर.के. भारद्वाज ने कहा कि जनपदों में बिना परमिट एवं बिना लाइसेंस के चल रहे वाहनों को विद्यालय प्रबंधन एवं प्राधानाचार्यो से वार्ता कर वाहन फिटनेस एवं परमिट प्राप्त करायें अन्यथा की स्थिति में वाहनों का चालान एवं सीज करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रत्येक नागरिक जो कि रोड टैक्स जमा कर रहा है, सड़क पर चलते समय उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी समिति में सम्मिलित सभी अधिकारियों की है। इसके प्रति लापरवाही कदापि ना करें। बैठक से पूर्व सड़क सुरक्षा से संबंधित आवश्यक बिन्दुओं के प्रगति की समीक्षा अधिकारीगण अवश्य कर लें।

बैठक में उपस्थित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य एवं हाईवे देवदूत प्रमोद ओझा ने सुझाव दिया कि सड़कों पर संकेतांक तथा स्पीड लिमिट का साइन बोर्ड लगाया जाना अतिआवश्यक है। इससे सड़क दुर्घटना में निश्चित रूप से कमी आयेगी। उन्होने एंबुलेन्स की उपलब्धता तथा घायलों को अस्पताल पहुँचाने वाले नेक व्यक्तियों को पुरस्कृत किए जाने के संबंध में भी कार्यवाही किये जाने का सुझाव दिया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी पंकज सिंह ने पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश के क्रम में अवगत कराया कि शीघ्र ही 5–5 गुड सेमेरिटन चिन्हित कर पुरस्कृत किये जायेंगे।

बैठक में एडीएम प्रतिपाल चौहान, आरटीओ रविकान्त शुक्ला, एआरटीओ सिद्धार्थनगर सुरेश कुमार एवं संतकबीर नगर प्रियम्बदा सिंह, एआरएम रोडवेज आयुष भटनागर, सभी सीओ तथा मण्डलीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

दबंगों ने जमीनी विवाद में मारा पीटा एसपी से लगाया न्याय की गुहार

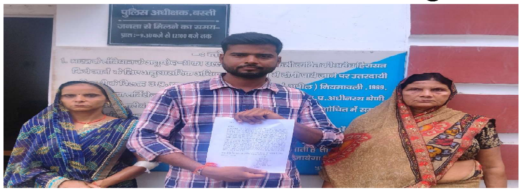

संवाददाता–बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के नेवारी निवासी सूरज शुक्ल ने पुलिस अधीक्षक के साथ ही वरिष्ठ उच्चाधिकारियों को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में सूरज शुक्ल ने कहा है कि उनके घर से सटे जमीन को उनके पिता स्वर्गीय हरीराम ने बैनामा कराया था।

गांव के ही दबंग अनिरूद्ध मिश्र, बंश गोपाल मिश्र पुत्रगण स्वर्गीय राघवराम मिश्र, गंगासागर उर्फ राहुल, पुत्र वंश गोपाल मिश्र, आदर्श उर्फ आकाश मिश्र पुत्र अनिरूद्ध मिश्र ने गत 23 सितम्बर को जमीनी विवाद को लेकर उनकी माता, भाभी, दिव्यांग भाई को घर में घुसकर मारा पीटा। लालगंज पुलिस ने इस प्रकरण में बी.एन.एस. की धारा 115 (2), 352 / 351 (2) के तहत मुकदमा तो दर्ज कर लिया किन्तु दोषियों के विरूद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़ित सूरज शुक्ल ने कहा है कि अनिरूद्ध मिश्र आदि का मनोबल काफी बढ गया है और वे आये दिन ध मकिया दे रहे हैं कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पायेगा। पूरे परिवार को जान से मार देने की धमकिया दी जा रही है। सूरज शुक्ल ने मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के साथ ही उनके परिवार के जान माल की रक्षा की जाय। दबंगों की नजर उनकी जमीन पर है उसे बचाया जाय।

प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में उठे मुद्दे: धरना 15 अक्टूबर को: 14 अक्टूबर तक चलेगा सदस्यता अभियान

संवाददाता–बस्ती । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में गुरूवार को संगठन पदाधिकारियों की बैठक प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षक समस्याओं के समाधान हेतु 15 अक्टूबर को बीएसए कार्यालय के समक्ष धरना देने, 27 सितम्बर से 14 अक्टूबर तक सदस्यता अभियान चलाये जाने, निष्क्रिय ब्लाक इकाईयों के पुर्नगठन आदि का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में बैठक के बाद परिषदीय विद्यालयों में बढ रही चोरी की घटनाओं को रोकने, मुकदमा दर्ज किये जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया।

बैठक में संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि अनेकों बार ज्ञापन देने के बावजूद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा न तो कार्यवृत्ति जारी किया न गंभीरता पूर्वक शिक्षक, शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, रसोईया, कम्प्यूटर आपरेटर, लेखाकारों आदि संविदा कर्मियों की समस्याओं का समाधान हुआ। ऐसी स्थिति में 15 अक्टूबर को बीएसए कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया जायेगा।

संघ के जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में व्यापक सम्पर्क अभियान के साथ ही सदस्यता का लक्ष्य 14 अक्टूबर तक अवश्य पूरा कर लें। कार्यवाहक अध्यक्ष अखिलेश मिश्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव ने कहा कि संगठन की मजबूती से ही शिक्षकों के लक्ष्य पूरे होंगे, हमें एकजुटता से आगे बढना होगा। 15 अक्टूबर को मांगों के समर्थन में शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी धरने में हिस्सा ले। बैठक और ज्ञापन देने वालों में देवेन्द्र वर्मा, नरेन्द्र कुमार द्विवेदी, पटेश्वरी प्रसाद निषाद, इन्द्रसेन मिश्र, राम प्रकाश शुक्ल, दिवाकर सिंह, शोभाराम वर्मा, भरतराम, हरिश्चन्द्र यादव, रामभरत वर्मा, शैल शुक्ल, सन्तोष कुमार शुक्ल, रीता शुक्ला, सुनील कुमार पाण्डेय, विनोद कुमार यादव, रजनीश मिश्र, सन्तोष शुक्ल, नरेन्द्र कुमार पाण्डेय, ओम प्रकाश, अखिलेश चौधरी, रामपाल वर्मा, त्रिलोकीनाथ, ओम प्रकाश पाण्डेय, योगेश्वर प्रसाद शुक्ल, संदेश कुमार रंजन, चन्द्रशेखर शर्मा, ओंकारनाथ उपाध्याय, गौरव सिंह, लालजी वर्मा, विवेक कुमार, राजेश कुमार, आशुतोष शुक्ल, राजेन्द्र कुमार, मुक्तिनाथ प वर्मा, मारूफ खान, अभिषेक जायसवाल, शैलेष कुमार सिंह, मो. याकूब, गिरजेश कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, उदयशंकर पाण्डेय, रघुवर दयाल, राम प्रकाश यादव, बुद्धिराम, मंजेश राजभर, रवि प्रताप सिंह, विनोद कुमार गौतम, धर्मेन्द्र उपाध्याय, राजेश कुमार, सूर्य कान्त द्विवेदी, सुशील कुमार उपाध्याय, विवेकानन्द, साहेबदीन, विजय बहादुर, दिनेश कुमार वर्मा, कन्हैया लाल भारती, उमाशंकरमणि त्रिपाठी, पंकज कुमार, अमरजीत, प्रेम कुमार मिश्र, अश्विनी कुमार, अभिमन्यु कुमार, अमित कुमार वर्मा, विनय कुमार के साथ ही अनेक शिक्षक और संघ पदाधिकारी शामिल रहे।

डीपीआरओ करेंगे अमरौली शुमाली में हुए वित्तीय अनियमितता की जांच

संवाददाता–बस्ती। जनपद के सल्टौआ विकास खण्ड के अमरौली शुमाली ग्राम पंचायत में हुए वित्तीय अनियमितता की शिकायत जिलाधिकारी रवीश गुप्ता से की गई है । ग्राम पंचायत के निवासी सौरभ वीपी वर्मा ने जिलाधिकारी रवीश गुप्ता को लिखित शिकायत पत्र देकर बताया कि ग्राम पंचायत में मजदूरी के पैसे का भुगतान प्रधान गायत्री देवी एवं प्रधान के रिश्तेदार दिलीप कुमार के खाते में कर लिया गया जबकि राज्य वित्त और केंद्रीय वित्त और मनरेगा से कराए गए कार्यो के सामग्री और मजदूरी का भुगतान फर्म और मजदूरों के खाते में ही होना चाहिए । शिकायतकर्ता ने बताया कि ग्राम पंचायत के चिरैयाडाड पुरवे पर पूर्व प्रधान विजय प्रकाश वर्मा द्वारा नाली निर्माण करवाया गया था जिसे प्रधान गायत्री देवी द्वारा मरम्मत करवाया गया है सौरभ वर्मा ने बताया कि नाली मरम्मत के नाम पर भारी वित्तीय अनियमितता की गई है जिसमे पुराने ईट होने के बावजूद भी नए ईटों का भुगतान किया गया है इसी तरह से भ्रष्टाचार के और बिंदुओं को लेकर जिलाधिकारी बस्ती से शिकायत की गई है। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने शिकायत पत्र मिलने के बाद मामले की जांच जिला पंचायत राज अधिकारी रतन कुमार सौंपा है । जिलाधिकारी ने मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए सरकारी धन में सेंधमारी करने वाले लोगों पर सख्त कार्यवाई करने का निर्देश दिया है।

जबरिया जमीन लिखवाने के लिये दबाव बनाने का आरोपः पीड़ित ने एस.पी. से लगाया न्याय की गुहार

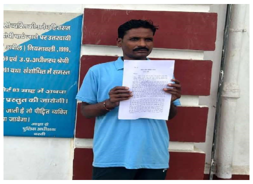

संवाददाता–बस्ती। रूधौली थाना क्षेत्र के रूधौली कला वार्ड नं. 7 निवासी राम बहादुर यादव पुत्र स्वर्गीय लालता प्रसाद यादव ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में राम बहादुर यादव ने कहा है कि वह पिछले 25 साल से मुम्बई में रहकर काम करता है। वहीं पर वह प्रर्मिला नाम की महिला के साथ पति–पत्नी के रूप में रहने लगा। उससे दो बेटियां और एक बेटा पैदा हुआ। गांव में उनके पिता बीमार हो गये भाई घनश्याम की सूचना पर वह तीनों बच्चों के साथ गांव आ गये किन्तु पत्नी प्रर्मिला नहीं आई। उसके पिता की मौत हो गई। इसके बाद उसने भाई की सहमति से अपने हिस्से की जमीन को गांव के ही दिलीप कुमार पुत्र सरयू प्रसाद को दो लाख की धनराशि प्राप्त कर 11 माह की अवधि में रजिस्ट्री के लिये लिख दिया। गांव के दूर के पट्टीदार नीलम यादव पत्नी राम विलास यादव, उनका बेटा भालचन्द यादव, सुभाष यादव जबरदस्ती अपने हक में जमीन लिखवाने के लिये दबाव बनाने लगे। मना करने पर उसे मारा पीटा और खाते से 10 हजार रूपया निकलवाकर ले लिया। वह किसी तरह से उनके चंगुल से बचकर भाग निकला। उसने अपने चाचा रवि उर्फ रविन्द्र यादव को घटना की जानकारी दी। पत्र में राम बहादुर यादव ने कहा है कि नीलम यादव उसकी पत्नी प्रमिला को मुम्बई से बुला लिया और मनगढन्त घटना के आधार पर अपहरण कर झूठा मामला बना दिया जो गलत है। राम बहादुर को नीलम यादव और उनके लड़कों से अपहरण और जान माल का खतरा बना हुआ है। उसने इस मामले में नीलम यादव और उनके पुत्र भालचन्द्र यादव के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही कराकर अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

आदर्श नगर पंचायत मुण्डेरवा में चला स्वच्छता अभियान:रक्तदान के साथ दिया स्वच्छता का संदेश

संवाददाता–बस्ती। गुरूवार को आदर्श नगर पंचायत मुण्डेरवा में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम की कड़ी में नगर पंचायत कार्यालय परिसर में सफाई मित्र, स्वास्थ्य सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सभी सफाई कर्मियों, कार्यालय स्टाफ, सभासदगण एवं अन्य नगर वासियों के स्वास्थ्य का प्रशिक्षण कर दवा वितरण किया गया। नगर पंचायत मुंडेरवा के अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह द्वारा फीता काटकर इसका उद्घाटन किया गया। रक्तदान शिविर में नगर पंचायत मुण्डेरवा अध्यक्ष सुनील सिंह 'टिकू' ने कहा कि शासन के दिशा निर्देश के अनुरूप स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होने नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा किया। अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय सिंह ने कहा कि नगर पंचायत मुंडेरवा में विकास कार्य तेजी से कराये जा रहे हैं जिससे नागरिकों को असुविधा न होने पाये।

कार्यक्रम में सभासद प्रतिनिधि विज्ञान सिंह, सभासद आलोक चौधरी, राकेश सिंह, शिवम भट्ट, सुनील चौधरी, बजरंगी चौधरी, अभिषेक शुक्ल, सचिन चौधरी, राम बचन पाल, अंकित श्रीवास्तव, रोहित, जसवन्त, जितेन्द्र, बलवन्त राव, राम प्रकाश, हेमन्त, साबिर अली, अतुल पाल, सुजीत कुमार, ओम प्रकाश, कुलदीप सिंह, ओम प्रकट पाल आदि ने योगदान दिया।

मिल कर्मचारियों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, बकाया भुगतान दिलाने की मांग

संवाददाता–बस्ती । गुरूवार को शिव शक्ति चीनी मिल मजदूर संघ के महामंत्री आशुतोष सिंह के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों ने पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश शुक्ल, विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के साथ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि मिल कर्मचारियों की बकाया धनराशि का भुगतान कराने के साथ ही मिल संयन्त्रों की तेजी से हो रही बिक्री पर रोक लगाया जाय।

ज्ञापन देने के बाद संघ के महामंत्री आशुतोष सिंह ने बताया कि बस्ती सुगर मिल के लगभग 165 कर्मचारियों का बकाया धनराशि पूर्व के समझौतों के अनुरूप कराया जाय। बताया कि मिल संयत्रों की तेजी से बिक्री की जा रही है किन्तु उसकी धनराशि कर्मचारियों को नहीं दिया जा रहा है जिससे असन्तोष है। आशुतोष सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया है मिल कर्मियों का बकाया भुगतान प्राथमिकता से कराया जायेगा। पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश शुक्ल, विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि मिल कर्मियों का बकाया भुगतान दिलाने के लिये हर संभव प्रयास कराया जायेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में संजय सिंह, रामदास, जर्नादन सिंह, अवधराज सिंह, कोदई चौधरी, त्रियुगी नरायन, राजकुमार पाण्डेय, विनोद सिंह, राजकुमार चौबे, पंकज सिंह, नरसिंह चौधरी, परसुराम, शिव प्रसाद सिंह, ज्वाला प्रसाद, सतीश, मेहीलाल, काशीराम, रामतेज, विजय, जगन्नाथ पाण्डेय, हरिश्चन्द्र मिश्र, बैजनाथ आदि शामिल रहे।

शहर में बस क्यू शेल्टर का निर्माण शुरू, धूप–बारिश से मिलेगी राहत

संवाददाता–गोरखपुर। नगर निगम क्षेत्र में सिटी बस सेवा के लिए 13 स्थानों पर प्रथम चरण में बस क्यू शेल्टर का निर्माण शुरू हो गया है। ई–टेंडर के जरिए चयनित जेटीएन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड फर्म ने सिटी बस सेवा के यात्रियों को धूप और बारिश में राहत दिलाने के लिए बस क्यू शेल्टर का निर्माण शुरू कर दिया है। शेल्टर में यात्रियों के बैठने के इंतजाम के साथ डिजिटल इंफॉर्मेशन बोर्ड पर बस के आगमन एवं प्रस्थान संबंधी जानकारी भी मिलेगी।

महानगर की सड़कों पर 8 रुट पर 27 सिटी बसें सेवाएं दे रही है। औसतन आठ से दस हजार यात्री प्रतिदिन इन सिटी बसों में यात्रा करते हैं। नगर निगम को इन बस क्यू शेल्टर के निर्माण से 06.43 लाख रुपये प्रीमियम और फर्म को मिलने वाले विज्ञापन के हिसाब से प्रति वर्ग फीट शुल्क लिया जाएगा। चयनित फर्म स्वयं के खर्चे पर नगर निगम की ओर से बताई गई डिजाइन और गुणवत्ता पर क्यू शेल्टर का निर्माण कर रही है। इन्हें एल्युमिनियम एवं अन्य मेटेल से बनाया जा रहा है।

महुआतर, बरगदवा तिराहा, गोरखनाथ अस्पताल, धर्मशाला चौराहा, छात्रसंघ चौराहा, काली मंदिर चौक, एम्स के पास, एयरपोर्ट, झुंगिया गेट, शास्त्री चौक, एमएमएमयूटी गेट, ट्रांसपोर्टनगर चौराहा, नौसढ़ चौराहे पर बस क्यू शेल्टर बनाए जा रहे हैं। अधिकांश स्थानों पर काम शुरू हो गया है। काली मंदिर चौक के पास बने बस क्यू शेल्टर से सटे जलपान की दो दुकानें भी संचालित होने लगी हैं।

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि बस की प्रतिक्षा में महिलाएं और बुजुर्ग यहां बैठ सकेंगे। प्रथम चरण में पीपीपी मोड पर 13 स्थानों पर बस क्यू शेल्टर का निर्माण शुरू है। इन बस क्यू शेल्टर्स पर प्रदर्शित विज्ञापन से भी निगम की आय होगी।'

बेटे को खुदकुशी से रोका तो पिता को ईंट से कूंचकर मार डाला, अपनी शादी करवाने का बनाता था दबाव

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच इलाके में बेटे को पिता ने खुदकुशी करने से रोका तो उसने पिता की ही जान ले ली। ईंट से सिर कूंचकर मौत के घाट उतार दिया। हत्या करने के बाद बेटा मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को पोस्टमार्टम भेजने के साथ ही आरोपित की तलाश में पुलिस टीम लगी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपित बेटे को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, पिपराइच के हरखापुर गांव निवासी सत्य प्रकाश तिवारी (50) पत्नी की मौत के बाद एकलौते बेटे कन्हैया तिवारी के साथ गांव में रहते थे। दोनों मजदूरी और भृक्षाटन करके जीवन यापन करते थे। बेटा कन्हैया शराब पीने का आदी है, जिसे लेकर घर में पिता से अक्सर विवाद होता था। बुधवार की रात में बेटा कन्हैया शराब के नशे में ही घर आया और पिता से विवाद हो गया। इसके बाद उसने घर में ही पंखे से फंदा बना लिया और खुदकुशी करने की बात कहने लगा। घर के बाहर बैठे पिता उसकी हरकत जानकर अंदर आ गए और उसे खुदकुशी करने से मना करने लगे। घर में विवाद होने का शोर सुनकर आसपास के कुछ लोग भी घर के बाहर आ गए। इसी बीच बेटे ने ईंट से पिता के सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों के सूचना पर एसओ पिपराइच पुरुषोत्तम आनंद सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पिता के सिर को उसने इतने बेरहमी से कूंचा था कि सिर पूरी तरह से कूचल गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतक सत्य प्रकाश की पत्नी ने 20 वर्ष पहले खुदकुशी कर ली थी। गांव वालों ने बताया कि आर्थिक तंगी से परेशान होकर उन्होंने फंदा लगाकर जान दे दी थी। इसके बाद से ही पिता–पुत्र अकेले मकान में रहते थे। पिता पुत्र में काफी स्नेह भी था, लेकिन शराब की लत की वजह से अक्सर विवाद होने लगा था। पिता सत्य प्रकाश की हत्या करने वाले बेटे कन्हैया से पिता का अक्सर ही विवाद होता था। दोनों के बीच विवाद की वजह शादी और आर्थिक तंगी भी थी। गांव वालों की माने तो इसके पहले भी कन्हैया कई बाद पंखे से रस्सा लगाकर लटकने की बात कर चुका था, लेकिन पिता के मना करने पर मान जाता था। लेकिन, बुधवार को वह इतना अक्रामक हुआ कि पिता की जान ले लिया। लेकिन, इसके पहले मारपीट कई बार कर चुका है।

बताया जा रहा है कन्हैया अपने शादी को लेकर काफी परेशान था। वह पिता से कई बार दिन में भी खुद के शादी करने का दबाव बना रहा था, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर होने के साथ ही उसकी हरकतों से परेशान पिता शादी की बात को टाल देते थे। बुधवार की रात भी वह घर पर नशे की हालत में चीख चीख कर शादी की बात बोल रहा था।

आसपास के लोगों को लगा कि यह रोज की बात है, इस वजह से सामने नहीं आए और उसने पिता की हत्या कर दी। गांव के राजकुमार, सत्येंद्र ने पुलिस को बताया कि अक्सर ही वह घर पर आने के बाद विवाद करता था और कई बार उसे गांव वालों ने ही खुदकुशी करने से बचाया भी था। पिता के साथ मारपीट वह अक्सर ही किया करता था। उसके घर में बुधवार को इतना भी राशन नहीं था कि दोनों खा सके। घर में जुठे वर्तन न मिलने की वजह से यह भी आशंका जताई जा रही है कि घर में खाना नहीं बना था। एक कोने चावल मिला व दाल मिला है, लेकिन वह बनाया नहीं गया था। कटोरी में मिलने की वजह से आशंका है कि विवाद की वजह से नहीं बनायागया।

डेढ़ करोड़ का लोन लेकर लापता हुई समूह संचालिका

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर बुदहट क्षेत्र के देवराडतुला गांव की महिलाओं का समूह बनाकर एक महिला विभिन्न फाइनेंस कंपनियों से करीब डेढ़ करोड़ रुपये लोन लेकर लापता हो गई है। लोन की वसूली करने कंपनी के कर्मचारी जब कर्जदार महिलाओं के घर पहुंचे तब उनको मामले की जानकारी हुई। बृहस्पतिवार को गांव की करीब 40 महिलाओं ने एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर से मिलकर कार्रवाई की मांग की। एसएसपी ने प्रकरण की जांच करके कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

एसएसपी ऑफिस पहुंचीं संध्या, सुमन, नीलम, जैनुल खातून, हीरावती, पुष्पा, किरन, मनीषा व अन्य महिलाओं ने बताया कि उनके गांव में किराये पर रहने वाली एक महिला समूह का संचालन करती थी। रुपये के लेनदेन सहित अन्य कामों के लिए वह सबके आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज अपने पास रखती थी। इसका फायदा उठाकर उस महिला ने विभिन्न माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से करीब डेढ़ करोड़ रुपये का लोन समूह की महिलाओं के नाम से ले लिए।

इसकी जानकारी महिलाओं को तब हुई जब फाइनेंस कंपनियों के कर्मचारी कर्ज वसूली के लिए पहुंचने लगे। इसके बाद छह सितंबर को महिलाएं आरोपी के घर पहुंचीं। वहां लोन लेने के बारे में जानकारी ली। तब आरोपी महिला और उसके पति ने बेटी का मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाने के लिए रुपये लोन लेने की बात कही। पीड़ितों से कहा कि उनके रुपये जल्द ही लौटा दिए जाएंगे। बाद में आरोपी महिला और उसके पति मकान में ताला बंद करके कहीं चले गए। क्षेत्र के सेमरडाढ़ी गांव में रहने वाले महिला के सहयोगी भी लापता हो गए। इसकी जानकारी महिलाओं ने हरपुर बुदहट पुलिस को दी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। तब महिलाओं ने बृहस्पतिवार को एसएसपी से मिल कर अपनी पीड़ा बताई।

प्रतिज्ञा लेने से ही दूर होगी गन्दगी –प्राचार्य

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में देव इंद्रावती महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता ही सेवा के तहत वृहद साफ–सफाई की। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ एबी सिंह ने कहा कि आओ हम प्रतिज्ञा करें न तो हम गंदगी फैलाएंगे और न ही किसी को गंदगी फैलाने देगें। अपने घर की तरह महाविद्यालय, गांव, मोहल्ले, शहर एवं कार्य स्थल को साफ सुथरा रखेंगें। पूर्व जिला नोडल अधिकारी डॉ बीरबल शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास एवं व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान देने की जरूरत बताया।

मरीज रेफर करने पर हंगामा, सांसद, विधायक के हस्तक्षेप पर भर्ती हुआ मरीज

संवाददाता–गोरखपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के इमरजेंसी की हालत बेहद खराब हो गई है। इलाज के लिए आए मरीज को इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर पूरे दिन रेफर करते रहे। बुधवार की रात जब मामला ज्यादा बिगड़ गया तब परिजनों ने हंमागा शुरू कर दिया। इसके बाद 112 पुलिस की टीम पहुंच गई। सूचना पर सांसद और सहजनवां विधायक के हस्तक्षेप के बाद मरीज को 10 बजे के बाद फिर से भर्ती किया गया। जबकि, पर्चे पर रेफर कर दिया गया था।

जानकारी के मुताबिक, चिलुआताल थाना क्षेत्र के मुहम्मदपुर माफी के रहने वाले प्रमोद कुमार गुप्ता (37) को घर में काम करने के दौरान चार दिन पहले चोट लग गई थी। घर के पास से मेडिकल स्टोर से दवा व ड्रेसिंग कराए। इस बीच बुधवार सुबह अचानक पैर में तेज दर्द उठा। परिजन इलाज के लिए सुबह 10 बजे एम्स के इमरजेंसी वार्ड ले गए। इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टर ने परिजनों से बोले की बेड खाली नहीं है।

इस पर मरीज की बहन ने विरोध किया तो डॉक्टर उलझ गए और अपशब्द कहने लगे। इस बीच मरीज के साले बालेन्दु के आग्रह पर किसी तरह एक घंटे बाद 11 बजे पर्चा बना। इसके बाद मरीज डेढ़ घंटे तक स्ट्रेचर पर लेटा रहा। आरोप है कि इलाज के नाम पर केवल टहलाते रहे। इस पर शाम चार बजे सांसद रविकिशन शुक्ल के पीआरओ पवन दुबे से परिजनों ने शिकायत की। उन्होंने सहयोगी को भेजते हुए इलाज शुरू कराया। इस बीच फिर आठ बजे के आसपास इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर बोले कि बेड खाली नहीं है न ही कोई सीनियर डॉक्टर है। मरीज को लेकर यहां से जाइए। इतना ही नहीं मरीज के रेफर का पर्चा भी बना दिया। इस पर रात नौ बजे के आसपास परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया और 112 नंबर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद सांसद रवि किशन शुक्ला और सहजनवां विधायक प्रदीप शुक्ला के रात में हस्तक्षेप के बाद मरीज को भर्ती किया गया है।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स कचहरी परिसर गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स कचहरी परिसर गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
मो.09450567450
Email- Awazdarpan@yahoo.com